

SUSTAINABLE DEVELOPMENT - A ROAD TOWARDS LIFELONG LEARNING



JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE

(University Of Delhi)

Under the Aegis of IQAC

IN COLLABORATION WITH

DEPARTMENT OF ADULT, CONTINUING EDUCATION AND EXTENSION

Faculty of Social Sciences, (University of Delhi)

Invites you for International Conference on

“SUSTAINABLE DEVELOPMENT : A ROAD TOWARDS LIFELONG LEARNING”

On

19th January 2024, 10 a.m. Onwards

Venue - Seminar Hall



Prof. Swati Pal
Principal
JDMC,DU



Prof. Rajesh
HOD A. Science Professor,
DACEE,DU



Dr. Valeria A. Khrystianova
Associate Professor
Faculty of Educational Sciences,
Belarusian State University, Belarus



Elena Vlasovskaya Golikova
Director of Quality Development Institute,
Nizhny Novgorod, Tula, Russia



Nagesh Ganesha Polikarova
Head of International Cooperation Department,
Foreign Development Institute, Tashkent



Prof. Flavia Stars
University of Navarra, Italy



Dr. Ashraf Pappalardo
Professor of Business, Messina
University, Educational Sciences, Lebanon



Prof. Anabel Elvira Domercq
Lecturer at Cavendish Centre,
Development College, Philippines



Prof. Kelly Dawn Veronika Torres
Managerial Consultant at Atira,
Benguet, Philippines



Ms. Michela Olga
Belarusian State University, Belarus



Dr. Nandor Kerecsenyi
Director of Research Center and Information
LLC Center, Tashkent State
University of Economic Studies



Dr. Arshif Gopalswami
Director, Center for Thought Groups,
Tashkent, Uzbekistan



Dr. Saniyeh STIML
Tashkent, Uzbekistan



Dr. Zhibek Sattorova Tashkent
State University of Oriental Studies,
Tashkent, Uzbekistan



Prof. Suresha Sivadas
Tashkent State Pedagogical University, Department
of Educational Management, Uzbekistan



Prof. Suresha Nalafira
Research
Institute of Training, Uzbekistan



Prof. Nazarena Vichaya
Tashkent State Pedagogical
University, Uzbekistan



Prof. Migen Garcia S. Reyes
University of the Philippines Diliman,
Philippines

Organizing Committee (DACEE, DU)
Prof. JP Dubey, Prof. VK Dixit
Prof. Prakash Narayan,
Dr. Kumar Ashutosh
Dr. Geeta Misra, Dr. Rupesh Gupta
Dr. Vandana Saindia, Dr. Rajni Yadav

Organizing Committee (ICP), JDMC
Ms. Vrinda Kaur,
Dr. Dehakanti Brahmaschari
Mr. Ravindar Maana, Ms. Himani Dakhya
Mr. Akhavan Dinash Bharat,
Mr. Tarun Sharma
Dr. Vivek Sharma

Prof. V. Rajyalakshmi
Director, Centre of
International Programmes

Prof. Payal Nagpal
IQAC Coordinator

Prof. Swati Pal
Principal
Janki Devi Memorial College



Sustainable Development : A Road Towards Lifelong learning

253 views 5 days ago ...more



Dacee DU 77

Subscribe



Share

Download

Save

भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह में दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी भूमिका निभा रहा है -कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह

Posted on January 20, 2024 by Sudhir Saluja



जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज ने सतत विकास एवं जीवन पर्यन्त अधिगम पद्धति पर दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की सह-मेजबानी की

दिल्ली, 19 जनवरी 2024 : जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (NAAC A+) ने प्राचार्य प्रो. स्वाति पाल के कुशल निर्देशन में 'भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संगठन' (IAEA) के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की आधारशिला स्थापित की। विभाग की स्थापना के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, "सतत विकास: आजीवन सीखने की राह" सम्मेलन 18, 19 और 20 जनवरी 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज सक्रिय रूप से इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इसमें विभिन्न देशों के शैक्षणिक संस्थान जैसे बेलायूस, उजबेकिस्तान, इंडोनेशिया, लियुआनिया, फिलीपींस, इटली और जॉर्जिया आदि नामचीन देश भाग ले रहे हैं। ऐसे समय में जब "सतत विकास" कई देशों की बढ़ती चिंता और फोकस का आधार बन गया है, ऐसे में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज स्थिरता को केवल एक दर्शन के बजाय जीवन का आधार बनाने के महत्व की पुष्टि करता है। 1959 में निर्मित जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने वाला पहला और दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रमुख कॉलेज है और अपने पूरे महाविद्यालय परिसर में सौर पैनल स्थापित करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का दूसरा प्रमुख कॉलेज है।

18 जनवरी 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित उद्घाटन समारोह में, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्राचार्य प्रो. स्वाति पाल ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की सह-मेजबानी पर प्रसन्नता व्यक्त की। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रोफेसर राजेश कुमार, साउथ कैम्पस के निदेशक प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह और सहित तीन प्रोफेसर बलराम पाणि भी उपस्थित थे।

इस तरह के सम्मेलन के आयोजन के महत्व पर प्रवक्ता डालते हुए, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर स्वाति पाल ने कहा, "सम्मानपूर्ण जीवन आंतरिक रूप से एक स्थायी भविष्य को मूल रूप से जुड़ा हुआ है किन्तु इसके प्रति हमारी जिम्मेदारी कहां है? सतत विकास को जीवन का आधार बनाने की जरूरत है। पृथ्वी और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ हमारे संबंधों को फिर से परिभाषित करना महत्वपूर्ण हो गया है।"

अपने विद्यार्थी की भ्रूखला को आगे बढ़ाते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने विकास के संबंध में भारत द्वारा की जा रही प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना चाहता है। उस संबंध में, जब स्थिरता की बात आती है तो उस दिशा में दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी भूमिका निभा रहा है। हालांकि, हमें अभी भी व्यक्तिगत स्तर पर अपनी भूमिकाएँ निभाते रहने और अपने परिवेश के प्रति अधिक कृतज्ञता और देखभाल का अभ्यास करने की आवश्यकता है।"

19 जनवरी, 2024 को, सम्मेलन के दूसरे दिन, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज ने सम्मेलन की भ्रूखला को आगे बढ़ाते हुए, विभिन्न पेपर प्रस्तुतियों के प्रस्तुतीकरण की मेजबानी की। ये पेपर पूरे भारत में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और प्रोफेसरों द्वारा प्रस्तुत किए गए थे।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर स्वाति पाल ने कहा, "शिक्षा मंत्रालय ने इस कॉलेज को एक विशिष्ट परिसर होने हेतु सम्मानित किया है। 'हरा' शब्द प्रचलित होने से पहले हमारा कॉलेज हरा था। हम यहां पानी की एक भी बूंद बर्बाद नहीं करते हैं, और हम हार्बल गार्डन और बगीचों की बहुत अच्छी तरह से देखभाल करते हैं। लेकिन महाविद्यालय में सबसे महत्वपूर्ण मूल्यों एवं संसाधनों का बंटवारा है, यही आपसी सामंजस्य और सोहार्द के साथ जीवित रहने का एकमात्र तरीका है।"

प्राचार्य प्रो. स्वाति पाल के गतिशील संबोधन के बाद, कॉलेज ने रिसर्च ट्रिजम डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, उजबेकिस्तान और ताराकंद स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, उजबेकिस्तान के साथ दो समझौता ज्ञापनों (MOU) पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग इन विश्वविद्यालयों के मध्य निकट भविष्य में विभिन्न विषयों सहित सूचना और शैक्षणिक सामग्रियों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा।

Post Views: 67



सफलता का मंत्र है लाइफ़लॉग लर्निंग: प्रो. योगेश सिंह

दिल्ली विश्वविद्यालय में सस्टेनेबल डेवलपमेंट: ए रोड टूवर्ड्स लाइफ़लॉग लर्निंग विषय पर 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ़ेंस का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली, ब्यूरो। दिल्ली विश्वविद्यालय के सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज और भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के सहयोग से 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट: ए रोड टूवर्ड्स लाइफ़लॉग लर्निंग' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ़ेंस का आयोजन 18 से 20 जनवरी तक किया जा रहा है। कॉन्फ़ेंस का विधिवत उद्घाटन 18 जनवरी को विश्वविद्यालय के कॉन्फ़ेंस हॉल में हुआ। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि लाइफ़लॉग लर्निंग सफलता का एक मंत्र है। यह कोई लक्ष्य नहीं अपितु सुखवर्धित यात्रा है।

कुलपति ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा कि केवल वसुधैव कुटुम्बकम कहने से काम नहीं चलेगा, इसके लिए हमें उदाहरण स्थापित करने होंगे। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है। परंतु सतत विकास के लक्ष्यों से समझौता करके इसे प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसीलिए ऐसे कॉन्फ़ेंस आवश्यक हैं। प्रो. योगेश सिंह ने यमुना जैसी कुछ नदियों से 100वें पानी नहीं



में निकाल लेने को जल प्रदूषण का बड़ा कारण मानते हुए कहा कि 'रिवर वाटर से बोटल वाटर' तक की यात्रा बहुत ही दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि जितना हम सतत विकास की बात करते हैं कार्यान्वयन में उतना ही उल्टे हैं। जो चीजें प्रकृति ने हमें मुफ्त में दी हैं, हमने उन्हें भी दूषित कर दिया। इसलिए

हमें सही शिक्षा की जरूरत है। भारतीय ज्ञान परंपरा इसमें हमें मदद कर सकती है। कुलपति ने बदलती तकनीक और उसके साथ बदलते आचरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछली सदी में उत्पादों के रिपेयर पर काम होता था; फिर उत्पाद की क्वालिटी तो ऊन हुई, लेकिन रिपेयर की बजाए रिप्लेस पर

काम होने लगा। ऐसे ध्युरियाँ कुछ देशों के लिए वहाँ की व्यवस्था के अनुसार ठीक हो सकती हैं, लेकिन भारत जैसे 140 करोड़ की आबादी वाले देश के लिए ठीक नहीं हो सकती। इसके साथ ही कुलपति ने इस कॉन्फ़ेंस के समूहिक आयोजन के लिए तीनों भागीदारों को शुभकामनाएँ भी दीं। इस दौरान

कुलपति द्वारा कॉन्फ़ेंस की सार पुस्तिका का विमोचन भी किया गया और विकसित भारत @2047: युवाओं की आवाज- विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर साउथ कैम्पस के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह भी उनके साथ उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के आरंभ में डीपीईई के एचओडी प्रो. राजेश कुमार ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस कॉन्फ़ेंस के सहभागी संस्थान, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, की प्रिंसिपल प्रो. स्वाति पाल ने अपने संबोधन के दौरान इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ़ेंस की सह-मेजबानी करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कॉन्फ़ेंस के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, गरिमापूर्ण जीवन आंतरिक रूप से एक स्थायी भविष्य से जुड़ा हुआ है। लेकिन जिम्मेदारी कहाँ है? सतत विकास को एक व्यक्तिगत, रोजमर्रा की पसंद बनने की जरूरत है। पृथ्वी और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ हमारे संबंधों को फिर से परिभाषित करना महत्वपूर्ण है। समारोह के अंत में डीपीईई के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. कुमार आशुतोष द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

Instagram

Log in

Open App



jankidevi_memorial_college • Follow



SUSTAINABLE DEVELOPE



169 likes

jankidevi_memorial_college At the inaugural ceremony, Principal Swati Pal from Janki Devi Memorial College expressed her delight to co-host this... more

2 days ago

← Janki Devi Memorial College's post



Janki Devi Memorial College

3d · 🌐



Janki Devi Memorial College, a premier women's college of the University of Delhi in collaboration with Department of Continuing Education & Extension, University of Delhi and Indian Adult Education Association (IAEA) conducted a 3-day International Conference on sustainability.

...see more



👍❤️ Seema Mani and 76 others



Log in

Sign up



Janki Devi Memorial College

@CollegeJanki

Follow



JDMC signed two Memoranda of Understanding with the Research Centre for the Study of Eastern Culture and Heritage Tourism, Tashkent State University of Oriental Studies and Research Development Institute, Uzbekistan.

[#JDMC](#) [#JankiDeviMemorialCollege](#) [#DU](#)



University of Delhi and 3 others

11:55 am · 20 Jan 2024 · 95 Views